॥ गुरुभक्तों के खुल गये भाग ॥

गुरुभक्तों के खुल गये भाग । जब गुरुसेवा मिली ॥

सेवा मिली थी राजा हरिश्चन्द्र को । दे दीया राज ओर ताज ॥
जब गुरुसेवा ...

आप भी बिके राजा । रानी को भी बेच दिया ॥बेच दिया रोहित कुमार ।
जब गुरुसेवा ...

सेवा करी थी भिलनी भक्त ने । प्रभुजी पहुँचे गये द्वार ॥
जब गुरुसेवा ...

सेवा में पुत्र पर आरा चला दिया । वो मोरध्वज महाराज ॥
जब गुरुसेवा ...

सेवा करी थी मीराबाई ने । लोकलाज दीनी उतार ॥
जब गुरुसेवा ...

तुमको भी मोका गुरुजी ने दिन्हा । हो जाओ भव से पार ॥
जब गुरुसेवा ...

जब गुरुसेवा मिली । गुरुभक्तों के खुल गये भाग ॥

Send corrections to hariomgroup@gmail.com